पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल एवं कुलाधिपति की अध्यक्षता में रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का 21वां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ

———————

समस्त उपाधियों को डिजीलॉकर पर किया गया अपलोड

———————

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास करना चाहिए

———————

जल संरक्षण के महत्व को समझने हेतु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के विषय में आमजन, बच्चे तथा महिलाएँ हों अवगत

———————

विश्वविद्यालय गोद लिए गाँवों को टी0बी0, कुपोषण व नशा मुक्त बनाए

———————

सभी विश्वविद्यालय अपने दीक्षांत को समय से सम्पन्न करें

ऐसे शोध करने चाहिए जिसका मानव कल्याण में उपयोग हो सके

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

लखनऊ : 10 नवम्बर, 2023

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज रूहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली का 21वां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के कुल 148 शोध उपाधियाँ एवं 79 गोल्ड मेडल के साथ–साथ अन्य उपाधियाँ भी विद्यार्थियों को प्रदान की तथा समस्त उपाधियों को राज्यपाल जी के समक्ष डिजिलॉकर पर अपलोड किया गया। आज के दीक्षांत समारोह में सफलता पाने वाले विद्यार्थियों की 03 लाख 01 हजार

567 मार्कशीट तथा 01 लाख 55 हजार 880 उपाधियों को डिजिलॉकर पर अपलोड किया गया।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र–छात्राओं में पदक प्राप्त छात्राओं की संख्या ज्यादा होने पर खुशी जताते हुए बताया कि महिला सशक्तिकरण की झलक साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि सभी डिग्री और अंक तालिका डिजिलॉकर पर अपलोड हो चुकी है। अब किसी भी प्रकार की फर्जी डिग्रियों का प्रयोग नहीं हो सकेगा।

राज्यपाल जी ने नैक एक्रीडेशन व एन0 आई0 आर0 एफ0 की चर्चा करते हुए बताया कि विश्वविद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बताया कि कोरोना काल में उन्होंने विश्वविद्यालयों के नैक एक्रीडेशन हेतु प्रयास शुरू किया जिसके सुखद परिणाम देखने को मिला और प्रदेश के 07 विश्वविद्यालयों ने नैक में ए प्लस प्लस, ए प्लस एवं ए रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने बताया कि जिन विश्वविद्यालयों को उच्च रैंकिंग प्राप्त हुई है वे आगे भी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थी कॉलेज में प्रवेश लेने से पहले विश्वविद्यालय का एनआईआरएफ रैंक देखते हैं।

राज्यपाल जी ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की चर्चा करते हुए कहा कि जल संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों के बारे में आमजन, बच्चे तथा महिलाओं को जानकारी होनी चाहिए। उन्हें यह प्लांट दिखाया जाना चाहिए जिससे वे पानी एवं जल संरक्षण के महत्व को समझे व जल संरक्षण हेतु संकल्प लें।

राज्यपाल जी ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश के हर विश्वविद्यालय ने 05 गांवों को गोद लिया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय गोद लिए हुए गाँवों को टी0बी0, नशा व कुपोषण मुक्त बनाएं। इस संदर्भ में नशामुक्त गाँव के रूप में

उन्होंने जनपद बाराबंकी के चैनपुरवा गाँव का उदाहरण दिया। इस क्रम में उन्होंने गाँव के बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा हेतु आंगनबाड़ी एवं प्राथमिक विद्यालयों में उनके नामांकन की व्यवस्था के बारे में भी कहा। राज्यपाल जी ने कहा कि गाँव में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचे, इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों के साथ बैठकर सरकार की योजनाओं का सर्वे किया जाए, ग्रामीणों की समस्याएं जानी जाए।

राज्यपाल जी ने विद्यार्थियों को एकत्र कर उनका विजन जानने की भी अपील की। उन्होनें कहा कि सभी महाविद्यालयों में समय से परीक्षा हो जानी चाहिए, विद्यार्थियों को अंक तालिका तथा डिग्री भी समय से मिले व दीक्षांत समय से आयोजित हो।

शोध कार्यों का बढ़ावा देने पर जोर देते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि अनुसंधान काफी महत्वपूर्ण पहलू है। इस क्रम में उन्होंने भारद्वाज ऋषि द्वारा विमान की खोज तथा सम्राट अशोक को एनिमल हसबेंडरी का आविष्कारक बताया तथा सम्बन्धित तथ्यों की चर्चाएं भी कीं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को शोध विषय पर ध्यान देना चाहिए और होनहार बच्चों को ऐसे शोध करने चाहिए जिसका मानव कल्याण में उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि धर्म ग्रंथो, वेद, पुराण व साहित्य में कई ऐसी चीज हैं जो हमें पढ़ने और पढ़ाने की जरूरत है।

आज के दीक्षांत समारोह में गुरु के महत्व पर बल देते हुए राज्यपाल जी ने राम, भरत और कैकई के प्रसंग के बारे में बताया और कहा कि गुरु का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड एवं अध्यक्ष कार्य समिति नैक प्रो0 अनिल सहस्त्र बुद्धे ने विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक प्राप्ति में महिलाओं की संख्या ज्यादा होने पर उन्हें बधाई दी तथा इसके पीछे राज्यपाल की

प्रेरणा को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और भविष्य में जब भारत अपना स्वर्ण महोत्सव कर रहा होगा तो उसे वक्त भारत का चित्र कैसा होना चाहिए इसका सपना आज के युवा को देखना है और आगे आने वाले 25 सालों में उसे पूरा करके दिखाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को माता–पिता के साथ गुरु को भी हमेशा याद रखने, नई तकनीक एवं नए अविष्कार के बारे में हमेशा अवगत होते रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि व राज्य मंत्री उच्च शिक्षा विभाग श्रीमती रजनी तिवारी ने कहा कि अमृत काल में सबसे बड़ा योगदान युवाओं का है। सरकार की योजनाओं की जानकारी युवाओं को होनी चाहिए और युवा इसे लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने युवाओं से बहुत उम्मीद जताई और कहा कि देश की दिशा और दशा तय करने में युवाओं का बहुत बड़ा योगदान होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0पी0 सिंह ने राज्यपाल के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। राज्यपाल जी ने समारोह में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां एवं प्रगति को दर्शाती हुई वार्षिक प्रतिवेदन तथा कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने एशियन गेम्स–2023 में सेपक टेकरा(किक वॉलीबाल) खेल में कांस्य पदक विजेता कुमारी खुशबू व हांगझोऊ में आयोजित एथलेटिक्स में रिकार्ड कायम करने वाली कुमारी दीक्षा को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने समारोह में आए प्राथमिक विद्यालय के 30 बच्चों को पठन–पाठन व पोषण सामग्री तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु 100 आंगनबाड़ी किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल जी द्वारा क्रीडा छात्रावास का भी उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर समारोह में विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्ष, स्थानीय अतिथिगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. सीमा गुप्ता, सहायक निदेशक,
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी,
राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361